भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 464
गुरुवार, 28 नवंबर, 2024/7 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

प्रशिक्षति कर्मियों की कमी

464. श्री अभि षेक बनर्जी:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सभी प्रमुख भारतीय एयरलाइनों में प्रशिक्षि त कर्मियों की कमी है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या यह सच है कि शिक्षा के बुनियादी स्तर पर, एयरो-स्पेस इंजीनियरिंग आदि जैसे एयरो से संबंधित क्षेत्रों में रुचि की कमी है; और

(घ) यदि हां, तो 2024 में देश भर में एयरो से संबंधित अध्ययनों में नामांकित छात्रों की संख्या का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) और (ख) सभी प्रमुख भारतीय एयरलाइनों में प्रशिक्षित कर्मियों की कोई कमी नहीं है।

तथापि, बेड़े के विस्तार और नए प्रकार के विमानों के शामिल होने के कारण कुछ विशेष प्रकार के विमानों में कमांडरों की कमी है। विदेशी विमान अस्थायी प्राधिकार (एफएटीए) जारी करके विदेशी पायलटों के उपयोग द्वारा इसका प्रबंधन किया जा रहा है।

(ग) और (घ) मंत्रालय के पास ऐसी कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है। उच्चतर शिक्षा विभाग के अखिल भारतीय उच्चतर शिक्षा सर्वेक्षण (एआईएसएचई) के अनुसार, वर्ष 2022-23 के लिए उच्चतर शिक्षा संस्थानों (एचईआई) में सभी स्तरों पर एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में दाखिला लेने वाले छात्रों की कुल संख्या इस प्रकार है:-

उच्चतर शिक्षा संस्थान (एचईआई)	छात्रों की कुल संख्या
विश्वविद्यालय	7740
महाविद्यालय	12551
स्टैंड अलोन संस्थाएं	2385
कुल	22676

*****